खबर संक्षेप

अनमोल मणि रत्न सम्मान मिला

मण्डला। अखिल भारतीय आदर्श चौरसिया महासभा दिल्ली महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय प्रभारी इंदु प्रदीप चौरसिया द्वारा इटारसी में समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाली कर्मठ महिलाओं का अनमोल मणि रत्न सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जिसमें देश भर से महिलाएं शामिल हुई। मुख्य अतिथि नर्मदा अंचल के विधायक सीता शरण शर्मा तथा उनकी पत्नी श्रीमती कल्पना द्वारा अखिल भारतीय आदर्श चौरसिया महासभा दिल्ली महिला प्रकोष्ठ की मध्य प्रदेश की विभिन्न क्षेत्रों से आए महिलाओं को सम्मानित किया गया। मंडला से प्रदेश अध्यक्ष ममता चौरसिया, राष्ट्रीय मंत्री अंजना चौरसिया, किरण मोदी, प्रदेश कार्यकारिणी से संजू चौरसिया, अनुपमा चौरसिया और वर्षा चौरसिया को अनमोल मणि रत्न से सम्मानित किया गया।

एसडीएम बिछिया ने दी धान की फसल को हार्वेस्टर से काटने अनुमति

भुआबिछिया। खरीफ फसल की मुख्य फसल धान की कटाई इस समय युद्ध स्तर पर अतिवृष्टि के चलते इस वर्ष धान कटाई भी इस वर्ष पिछड़ गयी है जैसे तैसे कुछ किसानों ने धान की हार्वेस्टिंग शुरू की थी वैसे हार्वेस्टर में सुपर (एसएमएस) सुपर स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम नियम होने चलते बिछिया एस डी एम ने हार्वेस्टर वालों का फाइन किया और हिदायत दी भविष्य में बिना Super SMS के हार्वेस्टिंग नहीं करेंगे।तब हार्वेस्टर वालों ने धान काटने से मना कर दिया फिर आनन-फानन किसान तहसील कार्यालय के सामने एकत्र हो कर एसडीएम सोनाली देव से हार्वेस्टर से धान काटने निवेदन किया जिसे एसडीएम ने स्वीकार किया और किसानों को हिदायत दी कि किसान पराली नहीं जलाएं अन्यथा 2500/- रूपए प्रति एकड़ आर्थिक दण्ड देना होगा।

मण्डला (शहरी) ब्लॉक स्तर में जागरूकता शिविर का आयोजन निरस्त

मण्डला। जिला स्तरीय रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप युवा संगम मेला का आयोजन होने के कारण जागरूकता शिविर का आयोजन निरस्त किया गया है। जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र मण्डला द्वारा 18 नवंबर को मण्डला (शहरी) ब्लॉक के जनपद सभागार कक्ष में प्रातः 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक बेरोजगार युवक/युवतियों को स्वयं का रोजगार स्थापित करने के लिए विभागीय योजनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए ब्लॉक स्तर में जागरूकता शिविर का आयोजन किया जाना था।

विराट 108 कुण्डीय राष्ट्र शौर्य समृद्धि गायत्री महायज्ञ का आयोजन

शुभारंभ अवसर पर निकली भव्य कलश यात्रा

*** भक्तिरस में दिखे श्रद्धालु, किया पुष्पवर्षा।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा कुंभ स्थल में आयोजित चार दिवसीय 108 कुंडीय विराट गायत्री महायज्ञ का शुभारंभ भक्तिमय वातावरण से हुआ। आयोजन के प्रथम दिवस नगर ने अभूतपूर्व धार्मिक उल्लास और आस्था की उमंग का अद्भुत संगम देखने को मिला। जहां मंगल ध्वनियों के मध्य विशाल कलश यात्रा का शुभारंभ गायत्री मंदिर से किया गया। यहां पर विधि विधान से पूजन अर्चन किया गया और मातृशक्तियों ने पवित्र कलश शोभायात्रा आरंभ की। धर्मप्रेमी पीले वस्त्रों में सुसज्जित नजर आए धार्मिक गीत संगीतो ने नगर वासियों का मन मोह लिया। नगर के प्रमुख मार्गों से भक्तिरस शोभायात्रा का नगर के विभिन्न स्थानों में स्वागत किया गया धर्मप्रेमियों ने पुष्पवर्षा की तो फल पेयजल चाय बांटकर शोभायात्रा में शामिल धर्मप्रेमियों का स्वागत किया। बाल कलाकारों के साथ कलश यात्रा के अग्रभाग में सुसज्जित घोड़े और पारंपरिक बग्घी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। वहीं बच्चों द्वारा देवी-देवताओं की मनोहारी वेशभूषा, आकर्षक झांकियां और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां यात्रा की शोभा को और बढ़ा रही थीं। माहौल में हम बदलेंगे युग बदलेगा हम सुधरेंगे युग सुधरेगा जैसे उद्घोष गूंजते रहे जिसने पूरे नगर को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। आस्था अनुशासन और उत्साह का ऐसा अद्भुत संगम देखकर पूरा मंडला नगर भक्ति की अनुभूति में डूब गया चार दिवसीय यह महायज्ञ 20 नवंबर तक चलेगा प्रतिदिन सुबह 8 बजे से हवन-पूजन का अनुष्ठान आरंभ होगा

दोपहर 3 बजे से प्रवचन एवं भजन-संगीत के माध्यम से आध्यात्मिक ज्ञान का प्रसार किया जाएगा आयोजकों के अनुसार यह महायज्ञ समाज में सद्भाव संस्कार और सकारात्मकता के संचार का पावन अभियान है जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने अपील की गई है। इस कलश यात्रा ने पूरे नगर में धार्मिक उत्साह और दिव्य वातावरण का संचार कर दिया। महिलाओं युवाओं बच्चों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पारंपरिक वेशभूषा में कलश धारण कर यात्रा में भाग लिया। मंगल ध्वनियों, वैदिक मंत्रोच्चार और ढोल-नगाड़ों की गूंज के बीच यात्रा नगर भ्रमण करते हुए महिष्मति कुंभ स्थल पहुंची जहां से 108 कुंडीय राष्ट्र शौर्य समृद्धि गायत्री महायज्ञ का शुभारंभ हुआ। यहां पर विधि विधान से कलश स्थापना कराते हुए कलश पूजन आरती की गई। साथ ही यहां पर देव संस्कृति दिग्दर्शन प्रदर्शनी गायत्री शक्ति पीठ छिंदवाड़ा के द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। जहां पर युग ऋषि परम पूज्य गुरूदेव द्वारा रचित युग साहित्य की प्रदर्शनी लगाई गई है। जो आमजन के लिए 20 नवंबर तक आयोजित की जाएगी। युगऋषि पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य द्वारा दिए गए संकल्प मनुष्य में देवत्व का उदय और धरती पर स्वर्ग का अवतरण को साकार करने हेतु आयोजित इस आयोजन में बड़ी संख्या में धर्मप्रेमियों की उपस्थिति रही। आद्यशक्ति माँ गायत्री की विशेष साधना संपन्न कराई गई। नर्मदा तट युगऋषि वेदमूर्ति तपोनिष्ठ परम पूज्य गुरुदेव पं. श्रीराम शर्मा आचार्य के संकल्प मानव में देवत्व का उदय और धरती पर स्वर्ग का अवतरण को साकार करने व अखिल विश्व गायत्री परिवार की संस्थापिका परम वंदनीया माता भगवती देवी शर्मा जी एवं अखण्ड दीप के जन्म शताब्दी वर्ष 2026 के उपलक्ष्य पर अपने क्षेत्र के जनमानस को आद्यशक्ति वेदमाता गायत्री के महामंत्र को साधनात्मक पुरुषार्थ राष्ट्र शौर्य समृध्दि हेतु मण्डला नगर में माँ नर्मदा के पावन तट पर 108 कुण्डीय राष्ट्र शौर्य समृद्धि गायत्री महायज्ञ के रूप में युग निर्माण योजना अंतर्गत अद्वितीय योगदान का एक वैश्विक उत्सव हो रहा है। कार्यक्रम के द्वितीय दिन आज 18 नवम्बर 2025 प्रातः 6:00 से 7:30 बजे तक सामूहिक जप, ध्यान, प्रज्ञा योग-व्यायाम प्रातः 8:00 से 11:00 बजे तक यज्ञ का ज्ञान-विज्ञान देव पूजन एवं गायत्री महायज्ञ दोप 2:00 से कार्यकर्ता गोष्ठी 3:00 बजे तक संगठनात्मक स्वरूप दोप. 3:00 से 6:00 बजे तक संगीत, प्रवचन राष्ट्र समर्थ और सशक्त कैसे बने सप्त आंदोलन बुधवार 19 नवम्बर 2025 को 6:00 से 7:30 बजे तक सामूहिक जप, ध्यान, प्रज्ञा योग-व्यायाम प्रातः 8:00 से 11:00 बजे तक संस्कार परंपरा गायत्री महायज्ञ एवं विभिन्न वैदिक संस्कार दोप. 2:00 से कार्यकर्ता गोष्ठी, 3:00 बजे तक अनुयाज कार्यक्रम दोप. 3:00 से 6:00 बजे तक अखण्ड दीप एवं वंदनीया माताजी जन्म शताब्दी संकल्प दीप महायज्ञ यज्ञ में ऋषि प्रणीत वैदिक संस्कार नामकरण, अन्नप्राशन, मुंडन, विद्यारंभ, मंत्र दीक्षा- यज्ञोपवीत विवाह, जन्मदिन एवं विवाह दिवस आदि संस्कार निःशुल्क सम्पन्न कराये जाएंगे। 20 नवम्बर 2025 को प्रातः 6:00 से 7:30 बजे तक सामूहिक जप, ध्यान, प्रज्ञा योग-व्यायाम प्रातः 8:00 से 11:00 बजे तक युगऋषि परम पूज्य गुरुदेव एवं युग तीर्थ शन्तिकुंज गायत्री महायज्ञ एवं विभिन्न वैदिक संस्कार, पूर्णाहुति एवं टोली की विदाई यज्ञ में यथा संभव भारतीय परिवेश में सम्मिलित होने हेतु आग्रह किया गया है।

गुणवत्ताहीन काम करा रही पंचायत

*** सरपंच पति की मनमानी, शासकीय भूमि को बेचने का प्रयास।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/बिनैका

ग्राम पंचायत बिनैका हमेशा से सुर्खियों में रहती है कल ऐसा कुछ हुआ कि एक साथ तीन मामले सामने आये ग्रामवासियों ने इन तीनों विषयों पर भारी विरोध दर्ज कराया पहला मामला है सीसी सड़क निर्माण का जो वार्ड क्रमांक 1 से वार्ड क्रमांक 3 तक सीसी सड़क निर्माण कार्य हो रहा है जिसमें मिट्टी मिले हुए रेत एवं सामग्री का उपयोग किया गया है जिसे देखते हुए वार्डवासी एवं ग्रामवासियों ने भारी विरोध किया था ग्राम पंचायत के पदाधिकारियों और सरपंच पति से वार्ड वासी की दूरभाष पर बात हुई थी जिसपर खराब रेत को हटाकर दूसरी रेत का उपयोग किया जाएगा ऐसा आश्वासन दिया गया था परन्तु कार्य में वहीं खराब रेत का उपयोग करके निर्माण कार्य करा दिया गया है इस पर ग्रामवासियों में रोष व्याप्त हैं ग्रामवासियों ने यह भी बताया कि सरपंच तो श्रीमति अनसुईया परस्ते है पर सारे निर्माण कार्य सरपंच पति प्रकाश परस्ते के द्वारा कराए जा रहे है ग्रामवासियों ने शासन प्रशासन से जांच करके गुणवत्ता युक्त कार्य पुनः करने एवं दोषियों पर कार्रवाई करने की मांग की है।

वही दूसरा मामला वार्ड क्रमांक 6 बिनेका , मंडला रोड पानी की टंकी के पास का है जहां पानी टंकी शासकीय भूमि पर अतिक्रमणकरी ने कब्जा किया है और प्राप्त जानकारी के अनुसार जयप्रकाश जायसवाल मंडला के द्वारा अवैध प्लाटिंग की जा रही है जिसमें उनके द्वारा किसी प्रकार के शासकीय आदेश ग्राम पंचायत के बगैर एनओसी एवं दस्तावेजों के अवैध कालोनी काटी जा रही है वही साथ में शासकीय भूमि पर अतिक्रमण भी किया गया है जो पानी टंकी की शासकीय भूमि है एवं किसानों के लिए खेत आने जाने का छोटा रास्ता था उस पर मुर्रम डालकर चौड़ीकरण कर दिया गया है और उस पर कब्जा कर के प्लाटिंग में आने जाने के लिए रास्ता बनाया गया है जो की शासकीय भूमि में दर्ज है इस विषय को लेकर ग्रामवासी वार्डवासी एवं नव जागृति ग्राम विकास समिति बिनेका ने विरोध दर्ज कराया एवं मौके पर ग्राम पंचायत के सदस्यों व हल्का पटवारी से दूरभाष पर बात की गई इसमें संबंधित अधिकारियों के द्वारा किसी प्रकार की एनओसी नहीं देने की बात कही गई एवं तत्काल कार्य को बंद करने के लिए बात हुई इस विषय पर ग्राम वासियों ने अपनी आपत्ति दर्ज करते हुए गंभीरता से जांच करने एवं इसमें संलिप्त लोगों पर कठोर कार्रवाई करने का आग्रह शासन प्रशासन से किया है संतोष जनक कार्रवाई न होने पर ग्राम वासियों ने उग्र आंदोलन की चेतावनी भी शासन प्रशासन को दी है।

कलेक्टर ने किया फुटबॉल प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ

*** खिलाड़ियों में भरा जोश, मैदान में दिखा उत्साह का नया रंग।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

महात्मा गांधी स्टेडियम ग्राउंड में सोमवार का दिन खेल प्रेमियों के लिए बेहद खास रहा। अंतरजिला-संभाग स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ स्वयं कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने पहुंचकर किया। कलेक्टर के मैदान पर पहुँचते ही खिलाड़ियों में ऊर्जा और उत्साह दोगुना हो गया। उन्होंने मंडला और कटनी के बीच होने वाले पहले मुकाबले का टॉस कराकर प्रतियोगिता की औपचारिक शुरुआत की। कलेक्टर श्री मिश्रा ने दोनों टीमों के कप्तानों के साथ खिलाड़ियों से आत्मीय परिचय लिया और सभी को खेल भावना, अनुशासन और टीम वर्क के साथ खेलने के लिए प्रेरित किया। खेलों में बढ़-चढ़कर भाग लेने और अपनी प्रतिभा निखारने के लिए उनका प्रोत्साहन खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बना रहा। शुभारंभ समारोह के दौरान कलेक्टर ने प्रतियोगिता में शामिल सभी जिलोंकृमंडला, कटनी, जबलपुर, डिंडौरी और नरसिंहपुर की टीमों से मुलाकात की। उन्होंने खिलाड़ियों के उज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि मैदान पर दिया गया प्रदर्शन ही असली पहचान बनाता है। प्रतियोगिता के पहले ही दिन दर्शकों को कई रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। मैदान पर मंडला-कटनी, नरसिंहपुर-जबलपुर और कटनी-डिंडौरी के बीच हुए मैचों ने खेल भावना और कौशल का बेहतरीन प्रदर्शन किया। इस अवसर पर पीएमश्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस के प्राचार्य डॉ. अनिल गुप्ता, प्रो. टीपी मिश्रा, क्रीडा अधिकारी श्री जायसवाल सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बस स्टैंड में यात्रियों के लिए अलाव की व्यवस्था

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/भुआबिछिया

लगातार बढ़ती हुई ठंड को देखते हुए नगर परिषद बिछिया के बस स्टैंड में कल से अलाव की व्यवस्था की गई लगातार न्यूनतम एवं अधिकतम तापमान घटने के कारण ठंड ने अपना तेवर दिखाना शुरू कर दिया है ऐसे में लोग दिन भर उन्नी कपड़े पहने नजर आने लगे हैं यात्री प्रतीक्षालय में यात्रियों की परेशानियों को देखते हुए नगर परिषद उपाध्यक्ष रानू रणधीर सिंह राजपूत के द्वारा मुख्य नगर पालिका अधिकारी डॉ लक्ष्मण सिंह सरस नगर परिषद बिछिया को पत्र के माध्यम से अलाव जलाने की व्यवस्था के लिए अवगत कराया गया जिसे मुख्य नगर पालिका अधिकारी द्वारा शीघ्र ही अलाव की व्यवस्था की गई अलाव की व्यवस्था से यात्रियों राहगीरों एवं व्यापारियों को काफी राहत मिली एवं गरीब और निः सहाय लोगों जिन्हें ठंड से बचने के लिए पर्याप्त कपड़े नहीं थे ऐसे लोगों के लिएअलाव ही एक मात्र सहारा होता है भीषण ठंड को देखते हुए अलाव की व्यवस्था की गई अलाव की व्यवस्था से यात्रियों राहगीरों एवं व्यापारियों को काफी राहत मिली है नगर परिषद उपाध्यक्ष रानू रणधीर सिंह राजपूत से अपेक्षा है कि नगर के और भी स्थान पर अलाव की व्यवस्था की जाए जिससे इस भीषण ठंड में लोगों को राहत मिल सके।

बैठक | जिला सड़क सुरक्षा समिति की आयोजित हुई बैठक।

राहवीर योजना की दी गई जानकारी

*** प्रोत्साहन राशि के संबंध में विस्तार से की गई चर्चा।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

जिले में सड़क सुरक्षा को मजबूत बनाने और दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण के लिए जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक कलेक्टर सोमेश मिश्रा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में अपर कलेक्टर श्री राजेन्द्र कुमार सिंह, जिला पंचायत सीईओ श्री शाश्वत सिंह मीना, समस्त एसडीएम, आरटीओ श्री बिमलेश कुमार गुप्ता सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

कलेक्टर श्री मिश्रा ने सड़क सुरक्षा से जुड़े सभी विभागों की कार्यवाही की समीक्षा करते हुए कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए व्यवस्थित ट्रेफिक मैनेजमेंट, ब्लेकस्पॉट सुधार और जागरूकता गतिविधियाँ बेहद आवश्यक है। उन्होंने निर्देश दिए कि ब्लेकस्पॉट पर शीघ्र सुधार कार्य करते हुए साईनेज, रम्बल स्ट्रिप, रिफलेक्टर जैसी व्यवस्थाएं दुरूस्त की जाएं। मुख्य सड़क मार्गों पर ओवरस्पीडिंग, बगैर हेलमेट के दोपहिया वाहन चलाने वाले, बगैर सीटबेल्ट लगाए वाहन चलाने वाले व्यक्तियों पर चालानी कार्यवाही की जाए। स्कूल-कॉलेज बसों की नियमित जाँच कर सुरक्षा मानकों का पालन अनिवार्य किया जाए।

बैठक में हिट एण्ड रन के प्रकरण, कैशलेस स्कीम की एसओपी, घायलों को अस्पताल पहुंचाने पर मिलने वाली प्रोत्साहन राशि के संबंध में भी विस्तार से चर्चा की गई। आरटीओ श्री गुप्ता ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं के दौरान घायलों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराते हुए स्वास्थ्य केन्द्रों में ले जाने वाले नागरिकों को 25 हजार रूपए की पुरूस्कार राशि राहवीर योजना के अंतर्गत दी जाती है। कलेक्टर श्री मिश्रा ने कहा कि सड़क हादसे के समय तुरंत की गई सहायता कई जीवन बचा सकती है। अधिक से अधिक नागरिकों को इसे मानवता की जिम्मेदारी के रूप में अपनाना चाहिए।

रोजगार स्वरोजगार अप्रेंटिसशिप (युवा संगम) मेला 18 नवंबर को

मण्डला। नगर पालिका टाउनहाल मंडला में 18 नवंबर को प्रातः 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक रोजगार/स्वरोजगार अप्रेंटिसशिप मेला (युवा संगम) का आयोजन जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, आईटीआई एवं जिला रोजगार कार्यालय मंडला द्वारा किया गया है। युवा संगम मेला में प्रतिष्ठित कम्पनियों में प्लेसमेंट किया जायेगा एवं स्थानीय कम्पनियों एवं विभिन्न विभागों के द्वारा भी रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर दिये जायेंगे। इस मेले में 10वीं, 12वीं, आईटीआई, डिप्लोमा, स्नातक उत्तीर्ण सभी जिनकी उम्र 18 से 30 वर्ष हो अभ्यर्थी सम्मिलित हो सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए शासकीय आईटीआई मंडला में संपर्क कर सकते हैं।

जन्मदिन उत्सव
महाबम्पर ड्रा
सूचना
हरिभूमि के सुधि पाठकों को सूचित किया जाता है कि पाठकों के लिए जन्मदिन उत्सव योजना चलायी गई थी। जिसका महाबम्बर ड्रा दिनांक 22 नवंबर 2025 से निकाला जायेगा।
भाग्यशाली पाठकों के उपहार देने की सूचना समाचार पत्र में प्रकाशित किया जायेगा।

खबर संक्षेप

गाड़ियों में लगे नये हॉर्न कर रहे है राहगीरों को परेशान

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। नगर में इन दिनों दिन प्रतिदिन बढ़ती वाहनो की संख्या भी यातायात व्यवस्था को बाधित करने में लगी हुई है, वही इन वाहनों में तरह तरह के लगे हॉर्न जो आम राहगीरो को परेशान करते नजर आ रहे है, बेचारे आम राह पर चलने वाले राहगीर ही ऐसे वाहनों के पास से निकलतें ही अपने कान बंद करना वेहतर समझतें है, क्योकि इसे रोकने हेतु प्रशासन द्वारा तो कोई विशेष पहल की नही जा रही है जिससे ऐसे कान फोडू हॉर्न से आमजनों को राहत मिल सके। शहर में कई बाइकों में तो पुलिस सायरन जैसें हॉर्न लगे हुए है, जिनके आम रास्ते से निकलने पर आमजन एकदम तो सहम जाते है। लेकिन इससे आमजनो को कितनी परेशानी उठानी पड़ती है यह तो वही जानते है? वैसे भी आजकल तो तेज आवाज वाले स्पीकरो पर रोक लगी होने के बाद भी शहर के भीड़ भरे बाजारों में ऐसे हॉर्न जरूर आमजनों को परेशान करते हुए दिखाई देते है, कभी कभी तो एक बाइक पर तीन तीन व्यक्ति बैठे तेज स्पीड के साथ शहर के व्यस्ततम रास्तो पर यही कान फोडू हॉर्नो बजाते हुए निकल जाते है और इन मार्गो पर प्रशासनिक अमला भी दिखाई देता है, लेकिन फर्क सिर्फ इतना है कि वे पूर्ण सजगता के साथ खडे दिखाई नही देते, अन्यथा ऐसे बाइक सवारो को निश्चित रूप से कार्यवाही को अंजाम दिया होता तो कान फोडू हार्न लगाने वालो के मन में भय होता मगर ऐसा नही होने की स्थिति में इनके हौसले बुलंद नजर आ रहे है। आमजनो ने मांग की है कि वाहनों पर लगें ऐसे कान फोडू हॉर्नो वाली वाहनों को कार्यवाही की जद में लिया जावे, जिससे राहगीर को अनावश्क रूप से परेशानी न उठाना पड़े।

शासकीय तालाब पर धडल्ले से किया जा रहा है अतिक्रमण, राजस्व विभाग के अधिकारियों द्वारा किया जा रहा नजर अंदाज

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। जहां एक ओर प्रशासन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में पड़ी हुई शासकीय भूमि का अतिक्रमण से मुक्त कराते हुए लोगों को सार्वजनिक उपयोग के लिए उपलब्ध कराई जा रही है, वही दूसरी ओर जिस जगह खुलेआम शासकीय भूमियों के साथ साथ तालाबों पर हो रहे अतिक्रमण को राजस्व विभाग के अधिकारियों द्वारा नजर अदांज करते हुए अतिक्रमण कारियों को सह प्रदान की जा रही है? इस बत की सच्चाई इस समय जनपद पंचायत सांईखेड़ा के अंतर्गत ग्राम पंचायत देवरी मिढ़वानी के ग्राम देवरी में देखने मिल रही है जहां पर लोगों द्वारा अपने निजी स्वार्थ के चलते यहां पर बने हुए तालाब पर अपना कब्जा जमाते हुए उस पर धडल्ले से भवनों का निर्माण किया जा रहा है। इस संबंध में बताया जाता है कि ग्राम देवरी के तालाब पर दिनों दिन हो रहे अतिक्रमण को लेकर जहां प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा मौन साधा गया है। वही दूसरी ओर पंचायत भी नजर अदांज करते हुए यहां पर निवास करने वाले लोगों को इस प्रकार की सह प्रदान की जा रही है कि उनके घरों में उसी शासकीय पर अतिक्रमणकारियों के पक्के शौचालयों का निर्माण तक कराया जा रहा है जिसके चलते इस तालाब का स्वरूप छोटा होता जा रहा है। वही दूसरी ओर तालाब में प्रदूषण भी लगातार बढने के कारण गंदगी फैल रही है। इस प्रकार से तालाब में लगातार हो रहे अतिक्रमण को लेकर अधिकारियों को पता न हो ऐसा तो हो ही नही सकता है?

बच्चों ने गिल्ली डण्डे की जगह थामा बल्ला, पुराने खेल भूल रहे लोग

हरिभूमि न्यूज/ बारहाबड़ा। पारस्पारिक खेल जहां सस्ते और सुलभ हुआ करते थें, वही ऋतुओं पर आधारित यह खेल स्वास्थ्य और शिक्षाप्रद भी हुआ करते है,किन्तु आधुनिक युग मे इन पास्पारिक खेलों का स्थान महंगे खेलों ने ले लिया है,आवश्कता है सुलभ पारंपारिक खेलों की ओर लौटने की क्योकि पारंपारिक खेल अपेक्षाकृत व्यक्तित्व विकास का सशक्त माध्यम होते है, हमारी माटी से जुड़े ऐसे ही अनेको खेलों व प्रासंगिता और लाभ का विस्तृत विश्लेषण किया गया है, हमारी परम्पराओं से जुडे अनेक खेल गिल्ली डण्डा ,गपोनी, कबड्डी, छिपा छिपी, अडी धप्प, आदि खेलों के लाभ और इनके जीवन से जुडाव को उजागर किया गया है। इन पांरपरिक खेलो को शरीर एवं मस्तिष्क विकास का सशक्त माध्यम बताते हुये बताया गया है कि पूर्व के समय में यह खेल अधिकांशतः कम उम्र के बच्चों द्वारा खेला जाता था, जिससे की बच्चों को शरीरिक संतुलन बनाने का अभ्यास होता था। निर्णय क्षमता के विकास के साथ शरीरिक विकास के क्रम मे बढ़ोत्तरी होती थी। अनेक प्राचीन खेल ऋतुओं पर आधारित होते थें, इसके अलावा अनेक सदाबहार खेल भी हुआ करते थें, जिसे हर मौसम मे खेला जाता था,इन पांरपारिक खेलों की विशेषता यह थी कि इन खेलों की सामग्री सहजता से उपलब्ध हो जाती है।

राष्ट्रीय शालेय व्हालीबॉल प्रतियोगिताः फाईनल मुकाबलों में बालिका वर्ग से तमिलनाडु व वेस्ट बंगाल तो बालक वर्ग में हिमाचल प्रदेश व सीबीएसई टीमों के देर शाम तक चलती रही भिंडत

नगर के पुराने कालेज खेल मैदान लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल और स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वाधान में आयोजित की गई पांच दिवसीय 69 वीं राष्ट्रीय शालेय व्हालीबॉल प्रतियोगिता में देश के अलग अलग प्रांतों से आई हुई टीमों के बीच शानदार खेलों का प्रदर्शन किया गया।

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

ज्ञात हो कि 19 वर्षीय बालक/ बालिका आयु वर्ग के खेलों का प्रदर्शन करने के लिये देश के अलग अलग प्रांतों की टीमों ने अपनी भागीदारी लेते हुये गाडरवारा के खेल मैदान पर लगातार पांच दिनों तक शानदार खेलों का प्रदर्शन किया गया। इस प्रकार पांच दिनों तक चली इस प्रतियोगिता में खेल मैदान पर जहां प्रतिदिन दर्शकों की भीड़ उमड़ते हुये देखी गई। इस तरह लीक मैचों के बाद क्वाटर फाईनल व सेमी फाईनल के बाद ताज पहनने के अंतिम छोर तक बालका वर्ग से तमिलनाडू व वेट बंगाल तो बालक वर्ग से हिमाचल प्रदेश व सीबीएसई की टीमें पहुंचने में सफल हो पाई। इस प्रकार से आयोजन के पांचवे दिवस देर शाम तक इन टीमों के बीच विजेता बनने के लिये शानदार मुकाबले चलते रहे। समाचार लिखे जाने तक विजेता व उप विजेता का परिणाम नही आ पाये थें। इस तरह प्रतियोगिता का पुरूस्कार वितरण व कार्यक्रम का समापन भी देर रात को हुआ। ज्ञात हो कि प्रतियोगिता में आध्र प्रदेश, आसाम, बिहार, सीबीएसई, छत्तीशगढ़, चंडीगढ़, दादर एवं नगर हवेली, केंद्रीय विद्यालय संगठन, दिल्ली, गुजरात, हरियाना, हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, विद्या भारती, बेस्ट बंगाल, जम्मू एंड काश्मीर, झारखंड, कर्नाटक, केरला, लदाख, लक्ष्यदीप, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्रा, मनिपुर, नवोदय विद्यालय समिति, उडीसा, पंजाम, राजस्थान, उत्तराखंड, की टीम के 759 खिलाड़ी एवं 165 ऑफीशियल्स शामिल हुये थें।

शासन प्रशासन की उदासीनता के चलते गांवों में स्थिति पारंपरिक जल स्रोतों का अतिक्रमण की भेंट चढ़ने से मिट रहा नामो निशान?

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। इसे मॉ नर्मदा की कृपा का फल ही माना जाए कि शहर एवं क्षेत्र के गॉवों में वर्ष भर लोगों को भरपूर पानी नसीब होता रहता है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो गॉवों में भी नल जल योजना के तहत बनीं पानी की टंकियों के निर्माण होने से ग्रामो के निवासियों को कम ही पानी के लिए हायतौबा मचाने विवश होना पड़ता है? लेकिन जिस तरह विवाह के बाद दूल्हे की मौर नदी में विसर्जित कर उसे भुला दिया जाता है। उसी तरह इस समय देखा जा रहा है कि लगता है शासन-प्रशासन के साथ क्षेत्रवासियों ने उन प्राचीन कुओं, तालाब व बावाड़ियों की सुध बिसराना शुरू कर दिया गया है। जिनके जरिए वर्षो

पूर्व प्यासे हजारो कंठ तृप्त होते रहे है। ज्ञातव्य है कि नगर ही नही क्षेत्र के कई गांवों में परम्परागत जल स्त्रोतो की उपेक्षा होने से उनका नामो निशान लगातार मिटता चला जा रहा है? हकीकत यह है कि जनपद पंचायत सांईखेड़ा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायतों में अनेक जगहों पर कई एकड़ भूमि के तालाब अतिक्रमण की भेंट चढ़ने के कारण एक तलैया के रूप में दिखाई देने लगे है। वही दूसरी कुछ इसी प्रकार का हाल गांव के वर्षो पुराने कुंआ का देखने मिल रहा है जिस पर लोगों द्वारा अवैध रूप से अतिक्रमण करते हुये उसके ऊपर लकड़ी रेखते हुये गंदगी फैलाई जा रही है या फिर मवेशियों को बांधते हुये उसकी सुन्दरता को ग्रहण लगाने से भी नही चूक पा रहे है, जिसके चलते इस प्रकार से वर्षो पुराने पूज्यनीय माने जाने वाले यह परम्परागत स्रोत अपने आसितत्व को बचाने के लिये खुदे ही जूझते हुये देखे जा रहे है? उल्लेखनीय है कि क्षेत्र के अनुभवी बुजुर्ग अभी भी चाहते है कि कुंआ व तालाब सलामत रहे मगर विडम्बना की बात है कि प्रशासन के साथ साथ स्वयं सेवी संस्थाऍ पारंपारिक जल स्त्रोतों की सुरक्षा के मामले में उदासीन बनी हुई है? इस संबंध में हरिभूमि टीम से चर्चा करते हुए क्षेत्र के युवाओं का कहना है कि पर्याप्त पानी मिलने के दौरे में यह बात चिंता जनक है कि पारंपारिक जल स्त्रोतो की तरफ ध्यान न दिया जा रहा है, यदि वर्तमान में देखा जावे तो जरूरत इस बात की है कि इन परम्परागत जल स्त्रोतो को चिन्हित कर इनकी दशा में बदलाव लाने की पहल करना अति जरूरी हो गया है। क्योंकि इस प्रकार से पारंपारिक जल स्रोत के अनदेखी करना पूर्णरूप से अनुचित है? मगर जिस प्रकार से शासन प्रशासन से लेकर क्षेत्र के लोगों द्वारा इन पुराने जल स्रोत की अनदेखी कर रहे है, वही लोगों द्वारा अन्य जल स्रोतों को प्रदूषित करने से भी नही चूक रहे है, इस बात की सच्चाई इस समय ग्राम के कुआ में देखने मिल रही है इस वर्षो पुराने के में आज भी पानी है मगर उसकी ओर प्रशासन द्वारा किसी भी प्रकार से ध्यान नही दिये जाने के कारण वह पानी गंदा हो चुका है, यदि इस कुंआ में सुधार किया जावे तो यह क्षेत्र की धरोहर माने जाने वाले परम्परागत जल स्रोतों की फिर से सूरत बदली जा सकती है और वह आमजन के लिये उपयोगी साबित हो सकते है?

स्कूल प्रबंधन व पेहरेदारों की अनदेखी का परिणाम, कम उम्र के नाबालिग किशोर किशोरियां धड़ल्ले से बाइक चला रहे

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

शहर में बढ़ती वाहनों की संख्या और तेज गति से वाहनों का सड़कों पर दोड़ना वैसें ही दुर्घटनाओं का आमंत्रण देते दिखाई दे रहा है? वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि नगर की सड़कों पर जिस प्रकार से नाबांलिग किशोरों को दो पहिया वाहन दौड़ाते हुए देखा जाता है उससे उनकी जान को तो खतरा बन ही रहा है साथ ही साथ दूसरों की जान को भी खतरा पैदा करते हुए देखे जा रहे है? जिसमे प्रमुख रूप से देखा जावे तो स्कूली बच्चों का दो पहिया वाहन चलाना दूसरो के लिए खतरा बना हुआ है। क्योंकि इस समय नगर में देखा जावे तो अनेक जगहों अनेक स्कूलों 12 वर्ष सें लेकर 18 वर्ष से कम आयु वालें सैकड़ों किशोर व किशारियाँ वाहन चलाते दिखाई देना आम बात बन चुकी है। इसे अभिभावक का बच्चों के प्रति लगाव कहे या भौतिकवाद की दौड़ में दिखावा जो बिना लाईसेंस के वाहन चला रहे कम उम्र के बालक बालिका नासमझी में हादसें का शिकार हो सकते है साथ ही साथ इनकी नादानी से दूसरों की जिन्दगी भी खतरे में पड़ने से नही चूक रही है...? आगे निकलनें की होड़- स्कूली विद्यार्थी स्कूल आते जाते समय एक दूसरें से आगे निकलने के लिए रेस लगाते हुये तो देखे ही जाते है। साथ ही बाइक की गति और सड़को पर अनोखे करतबो का प्रदर्शन भी भीड़ भरी सड़को पर रोजना करते हुए आसानी से देखे जाते है, जबकि गौर किया जावे तो इनके अभिभावक से लेकर स्कूल प्रबंधन भी इन खतरों सें भलि भांति वाकिफ है? लेकिन भौतिक संसाधनों कें उपयोग और थेड़ी सी लापरवाही को जानकार भी अनजान बनें हुए है। स्कूल लगने व छूटने के समय नगर की सड़कों पर देखा जावे तो स्कूली ड्रेस के साथ कई किशोर व किशोरियाँ जिनकी उम्र की बात तो दूर जिस वाहन पर वह बैठे हुए होते है उनका बाइक व स्कूटी के ब्रेकों तक पैर तक नही पहुंच पाते मगर इसके बाद भी उसे नगर की सड़कों पर फर्राटे मारते हुये आसानी से देखा जा सकता है। इतना ही नही यह लोग नगर कें प्रमुख मार्गो पर हार्न बजातें हुए और तेज गति से वाहन दौड़ातें हुए रोजाना देखे जा सकते है। कई मौको पर तो ये किसी दुर्घटना का शिकार होते हाते बच जाते है? मगर इस ओर न तो प्रशासन ध्यान दे रहा है और नही उनके अभिभावक जिसके चलते वाहन दौड़ाने वाले बच्चों के साथ साथ दूसरों की जिन्दगी के लिए भी खतरा पैदा होते हुए जान पड़ रहा है..? यह बात अलग है कि जब उच्च स्तर से आदेश आते है तो नगर का प्रशासन बच्चों को समझाईश देने के लिये स्कूलों में पहुंचकर 18 साल से कम उम्र वाले बच्चों को वाहन न चलाने की हितायत देते हुये जरूरी सुना जाता है। मगर अधिकारियों द्वारा किये जाने वाली यह जागरूकता मात्र औपचारिकता पूर्ण होने के साथ साथ अपने वरिष्ठ अधिकारियों को फोटो भेजने तक ही सीमित होने रहने से नही चूक पाती है? इसी का परिणाम में की नगर की शिक्षण संस्थाओं में 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चें खुलेआम यातायात नियमों की धज्जियाँ उड़ाते हुये स्कूलों में वाहन लेकर पहुंचते हुये देखे जा रहे है। जबकि सच्चाई पर गौर किया जावे तो बीते हुये समय में अनेकों पर जब जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा नगर के पुलिस थाने में जनता के बीच संवाद कार्यक्रमों का आयोजन आयोजित किये गये उस दौरान इस तरह नाबांलिग किशोर व किशोरियों द्वारा वाहनों से स्कूल जाने की बात का मुद्दा प्रमुखता से सामने रखे जाने पर अधिकारियों को यह भरोसा दिलाते हुये जरूर सुना जाता रहा है कि अब यदि इस तरह जिन स्कूलों में 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चे बाइक या स्कूटी चलाते हुये स्कूल जाते हुये दिखाई देते है तो शिक्षण संस्था प्रबंधन बच्चों के अभिभावक जिनके द्वारा अपने नाबांलिग बच्चों के हाथों में इस तरह वाहन सौपते हुये बच्चों के साथ साथ दूसरों की जिन्दगी को खतरा पैदा कर रहे है उनके खिलाफ कार्यवाही की जावेगी। पुलिस अधिकारियों का यह भरोसा मात्र बैठकों तक ही सीमित रहने का परिणाम है कि आज तक न तो इस तरह सड़को पर वाहन चलाने वाले किसी नाबांलिग किशोर व किशोरियों तथा संबंधित शिक्षण संस्था के साथ उनके अभिभावकों के खिलाफ किसी तरह की कार्यवाही न होने के चलते इस तरह नगर में खुलेआम हाई फाई संस्थाओं के नाबांलिग छात्र छात्राओं को शहर की सड़को पर अपनी स्कूली ड्रेस के साथ धडल्ले से वाहन दौडाते हुये देखा जाना आम बात बन चुकी है? इस सच्चाई को देखकर लोग हैरत में तो उस समय पड़ने से नही चूक पाते है जब इस तरह कम उम्र के नाबांलिग किशोर व किशोरी ठीक पुलिस थाने के समाने जिम्मेदार अधिकारियों की आंखों के सामने से ही अपने दो पहिया वाहनों को फर्राटे के साथ निकलते हुये देखे जाते है। इस सच्चाई को लेकर जब आमजन से चर्चा की गई तो उनका कहना है कि यदि नगर की यातायात व्यवस्था में सुधार लाना है तो पुलिस प्रशासन द्वारा सबसे पहले तो उन स्कूलों के खिलाफ कार्यवाही करना चाहिये जिन स्कूलों में 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चे दो पहिया वाहन लेकर स्कूल पहुंच रहे है। क्योंकि इस तरह 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चें जब दो पहिया वाहन चलाते हुये स्कूल जाते है तो वह स्कूली ड्रेस में होने के कारण उनकी पहचान आसानी से की जा सकती है। मगर स्कूल प्रबंधन व पेहरेदारों की उदासीनता के चलते नगर की यातायात व्यवस्था में सुधार होने की जगह बदहाल होते हुये देखा जा रहा है।

समय की आंधी में सूखे पत्तों की तरह उड़े गाडरवारा को जिला बनाने के अरमान...?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

आम चुनावों का समय रहा हो या फिर किसी प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर के नेता का जिले में आगमन की मौका रहा हो जब राजनीतिक दलो की ओर से जनता से भले ही गाडरवारा को जिला बनबाने की बात कहते हुये सुने जाता है। मगर इसके बाद यह मांग जिस तरह ठंड पड़ी जाती है उसके चलते यह मांग मात्र औपचारिकता पूर्ण दिखाई देने से नही चूक पाती है..? क्योंकि क्षेत्र का तेजी से हो रहे विकास तथा बढ़ती आवादी के मद्देनजर व्यापारियों, युवाओं तथा सामाजिक संस्थाओं ने भी शासन प्रशासन से गुहार लगायी है कि समय की आंधी में क्षेत्रवासियों का शहर को जिले के रूप में देखने का अरमान तो सजाने लगते है। मगर मांग ठंडी होने के चलते वह अरमान पेड़ो के सूखे पत्तो की तरह उड़ते दिखाई देने से नही चूकते है कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय भी दिखाई दे रही है..? क्योंकि वर्तमान में गाडरवारा को जिला बनाने की आवाज कही से नही उठने से लोग बुझे हुय स्वरों मे 'यह कहने मजबूर हो रहे है कि शायद ही गाडरवारा को जिला बनने का सौभाग्य मिल पायेगा..? क्योंकि मांग में बजन की कमी ओर बात को ऊपर तक सोच न पहुंचने का परिणाम है कि अब गाडरवारा को जिला बनाने की जगह पडौसाी शहर पिपरिया की अधिक सुनाई देने लगी है। क्योंकि वहां पर राजनैतिक पार्टियों में एकता की मजबूती उनकी मांग को बल देते हुये दिखाई देने से नही चूक रही है..? कही ऐसा न हो की गाडरवारा को जिला बनाये जाने की मांग सबसे पहले उठने के बाद भी उसे दम नही मिलने के चलते यह सौगात पिपरिया के खाते हुये आ जावे और हमारे क्षेत्र का अधिकांश निवासी पडौसी जिले के बन जावे..? ज्ञात हो कि लगभग ढ़ाई साल पहले विधान सभा चुनाव के पूर्व मुख्यमंत्री के रूप में अंतिम दौरे पर आये हुये तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के समक्ष जरू यह मांग उठाई गई थी। मगर उसके बाद जिस प्रकार मुख्यमंत्री में हुये बदलाव के साथ इस सौगात पर भी बदलाव का ग्रहण करते हुये दिखाई देने से नही चूक पा रहा है..? उस दौरान गाडरवारा को जिला बनाने के संबंध में नगर में जो महत्वपूर्ण बैठक आयोजित होने की शुरूआत भी हुई थी और नगर पालिका से लेकर नगर पंचायतों व ग्राम पंचायतों में प्रस्ताव भी पास कराते हुये इस मुहिम को लगातार तेज किया जाने लगा था। वही दूसरी ओर प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का अपने कार्यकाल के दौरान अंतिम नगर आगमन हुआ था उस समय भी इस मांग ने जोर पकड़ा था। मगर अचानक यह मुहिम ठंडी पढ़ने के साथ शांत ही हो चुकी है जिसके चलते वर्ममान समय में गाडरवारा को जिला बनबाने की मांग फिलहाल कमजोर पड़ गई है। गौरतलब है कि क्षेत्र के नक्शे में पूरी तहर विकास के रंग भर चुके है। एनटीपीसी पावर प्लांट खुलने तथा शैक्षणिक संस्थाओं का जाल बिछने और क्षेत्र की बहुमुखी उन्नति होने से गाडरवारा पूरी तरह जिला बनने का हकदार तो यह शहर बन चुका है। इस संबंध में शहर के लोगों का कहना है कि कुछ समय पहले जिस प्रकार से गाडरवारा को जिला बनाने की मांग किये जाने के बाद लोगों में जो खुशिया व जोश देखने मिल रहा था मगर अचानक उसे ग्रहण लग जाने के कारण वह जोश समाप्त हो चुका है और जिला मुख्यालय पर निवास करने को लेकर लोगों द्वारा देखे जाने वाले सपने भी अब मात्र सपने ही रहते हुये दिखाई पड़ने लगे है ..?

क्षेत्र की पंचायतों में हुये निर्माण कार्यो की जांच से उजागर हो सकती है गुणवत्ता की सच्चाई?

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका।

जिस प्रकार से लोग अपनी ग्राम पंचातयों में किसी जनप्रतिनिधि का चुनाव करती है तो उसे उससे काफी उम्मीदे रहते हुए ग्राम के विकास की बाट जोही जाती है। मगर अक्सर देखा जाता है कि कुर्सी मिलने के बाद वह ग्राम विकास को भूलकर सिर्फ अपनी विकास की ओर ध्यान देने से नही चूकता है? इस बात की सच्चाई ग्राम पंचायतों के पूर्व सरपंचों के कार्यकाल खत्म होने के बाद जब नई पंचातयों का गठन हुआ तो ऐसा जान पड़ा की शायद अब ग्रामों की तस्वीर बदल जावेगी? मगर ऐसा कुछ हुआ जान नही पड़ रहा है और दो वर्ष बीत चुके है यदि पूर्व के समय के सरपंचो के कार्यकाल पर गौर किया जावे तो उनके द्वारा किये गये भ्रष्टाचार को लेकर अनेक ग्राम पंचायतों की कार्य प्रणाली के खिलाफ आज भी अंगुली उठ रही रही हैं ..?

सरपंचों के खिलाफ शिकायतों का आनवरत सिलसिला जारी है, जिम्मेदार अधिकारियों के पास ऐसी अनेक शिकायतें निराकरण की बाट जोह रही है जिनकी यानि निष्ठा के साथ जांच हो जावे तो पंचायतों में हुए घोटालों की सच्चाई सामने आ सकती है? वैसे सच यह भी है कि यदि प्रशासन इन शिकायतों के प्रति गंभीर रूप अख्तियार करता तो अनेक ग्राम पंचायतों के सरपंचो को पूर्व में डकारी गई शासकीय राशि अपने घर से चुकानी पड सकती है। दरअसल ग्राम पंचायतों में निर्माण कार्य सबसे अधिक शिकायतों के केन्द्र बिन्दु बने हुए हैं? निर्माण कार्यों में अनियमितता बरतने की शिकायत आम तौर पर है क्योंकि सरपंचों के पास पांच लाख रूपये तक के निर्माण कार्य किये जाने क ा अधिकार था, जिसका उन्होंने खुलेआम दुरूपयोग करते हुए अनेक पंचायतो में गुणवत्ताहीन किये गये निर्माण कार्य आज खुली गवाही दे रहे है, भले ही इन निर्माण कार्यों का मूल्यांकन तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा अपनी जुगाडू व्यवस्था के साथ करा दिया गया हो,परंतु कतिपय यंत्री और उपयंत्रियों की मिली भगत भी इनमें रही है यही कारण है कि मूल्यांकन के निकार्ड से तो बेहतर निर्माण कार्य का हुआ है परंतु निर्मित कार्य घटिया ही साबित हो रहे है? जिनकी सच्चाई वह निर्माण कार्य स्वयं ही बता रहे है? इतनी ही नहीं कुछेक ग्राम पंचायतों में तो यह आरोप भी लगाया जाता है कि निर्माण हुआ ही नहीं और पैसा खर्च हो गया, वैसे ऐसे आरोपों की तत्काल और गंभीरता से जांच होनी चाहिये, जिससे पूर्व के सरपंचों की खाई हुई मलाई ऊपर आ जावे तथा वर्तमान जनप्रतिनिधि उनके नक्शे कदम पर न चले, अपेक्षा है कि क्षेत्र के जनपद पंचायत चीचली, सांईखेड़ा क्षेत्र में पूर्व सरपंचों के कार्यकाल में हुए निर्माण कार्यो की जांच की जावे तो अनेक प्रकार से चौकाने वाली सच्चाई आने से नही रूक सकती है।

खबर संक्षेप

एसआईआर में लापरवाही पर नाप दिये गये सहायक शिक्षक, निलंबित

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी हर्षल पंचोली ने सहायक शिक्षक, माध्यमिक विद्यालय खोलाड़ी नेमचंद धुलिया को मध्यप्रदेश सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम 3 के अंतर्गत तत्काल प्रभाव से निलंबित कर उनका मुख्यालय कार्यालय विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी जैतहरी में नियत किया है। उल्लेखनीय है कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार निर्वाचक नामावली का विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 का कार्य प्रगतिरत है, जिसमें बी.एल.ओ. के द्वारा गणना प्रपत्र का वितरण किया जाना है। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 88-पुष्पराजगढ़ के मतदान केन्द्र 158 खोलाड़ी में बीएलओ का दायित्व सहायक शिक्षक नेमचंद धुलिया को सौंपा गया है, किन्तु सहायक शिक्षक लगातार अनाधिकृत रूप से अपने कर्तव्य से अनुपस्थित पाए गए हैं व उनके द्वारा गणना पत्रक का वितरण नही किया गया है, जो निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 को प्रभावित कर निर्वाचन जैसे महत्वपूर्ण कार्य के प्रति लापरवाही एवं अनुशासनहीनता को प्रदर्शित करता है। जिसे संज्ञान में लेते हुए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने सहायक शिक्षक को निलंबित किया है। निलंबन अवधि के दौरान सहायक शिक्षक को नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता प्रदान किया जाएगा।

एक बगिया मां के नाम पौधारोपण में तत्परता लाने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी ने मनरेगा योजना अंतर्गत 'एक बगिया मां के नाम' के तहत पौधारोपण कार्य के क्रियान्वयन की समीक्षा हेतु जनपद पंचायत अनूपपुर एवं कोतमा की संयुक्त बैठक तथा जनपद पंचायत जैतहरी के सर्व संबंधित शासकीय अमले, हितग्राहियों की बैठक मे कार्य की मॉनिटरिंग करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत के मनरेगा परियोजना अधिकारी रावेन्द्र पटेल जनपद पंचायतो के मुख्य कार्यपालन अधिकारीगण तथा आजीविका मिशन के जिला परियोजना प्रबंधक शशांक प्रताप सिंह संबंधित जनपदों के सहायक कार्यक्रम अधिकारी, आजीविका मिशन के सहायक ब्लॉक प्रबंधक, कृषि सखी, व हितग्राही उपस्थित थे। जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी ने 'एक बगिया मां के नाम' पौधारोपण अभियान के तहत हितग्राहियों से चिन्हित स्थलों पर तार फेंसिंग व पौधारोपण कार्य की जानकारी लेते हुए उन्हें कार्यों में प्रगति लाने तत्परता बरतने के आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकता का कार्यक्रम 'एक बगिया मां के नाम' पौधारोपण कार्य है। जिसका क्रियान्वयन समय सीमा में नहीं करने व लापरवाही बरतने पर संबंधी जनों पर कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने आजीविका मिशन से स्व सहायता समूह को ऋण प्रदान करने संबंधी कार्यवाही तत्परता से किए जाने के निर्देश दिए।

अभा क्षत्रिय समाज ने आयोजित किया कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। 16 नवम्बर को नेताजी सुभाष चंद्र बोस बालक छात्रावास में बाल दिवस के उपलक्ष्य में अखिल भारतीय क्षत्रिय समाज अनूपपुर की सभी बहनों द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया। सभी बहनों ने समय निकालकर अपनी सहभागिता प्रदान कर अनुशासन, पर्यावरण, नशा जैसी बुरी आदतों से दूरी, बाल अपराध, योग, आदि पर विचार व्यक्त किए गये। साथ ही बच्चों को निशुल्क स्नैक्स वा स्टेशनरी वितरण किया। बच्चों के साथ ही छात्रावास के अधीक्षक अनिल कुमार सिंह एवं अखिल भारतीय क्षत्रिय महासंघ की संरक्षिका, श्रीमती कुमकुम सिंह बघेल, श्रीमती मीना सिंह श्रीमती मनीषा राजपूत श्रीमती बिंदु सिंह, श्रीमती रंजीता तोमर एवं सुश्री मनोरमा सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के अंत में अध्यक्षा श्रीमती मीना सिंह ने सभी बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की सुश्री मनोरमा सिंह ने आभार व्यक्त किया।

कलेक्टर सभागार में समय-सीमा बैठक : योजनाओं, प्रकरणों और जन शिकायतों की विस्तृत समीक्षा

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी

जिले में चल रहे विकास कार्यों और विभिन्न विभागीय योजनाओं की प्रगति का मूल्यांकन करने के लिए सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में समय-सीमा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने की।बैठक में जिला पंचायत सीईओ दिव्यांशु चौधरी, अपर कलेक्टर जे.पी. यादव, डिप्टी कलेक्टर वैधनाथ वासनिक सहित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे। वहीं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी एसडीएम, तहसीलदार और जनपद पंचायतों के सीईओ भी शामिल हुए।

मतदाता सूची और एसआरआई प्रगति पर कलेक्टर के सख्त निर्देश

कलेक्टर ने मतदाता सूची सुधार कार्य और एसआरआई की स्थिति की समीक्षा करते हुए स्पष्ट किया कि प्रगति में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को निर्देश दिया कि कम प्रगति वाले बीएलओ को तुरंत नोटिस जारी किए जाएँ।डिजिटलीकरण प्रक्रिया को तेज करने और प्रतिदिन निर्धारित प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने कहा कि सभी फार्म निर्धारित प्रारूप में अपलोड हों।बैठक में बीईओ और बीआरसी को भी चेतावनी दी गई कि जो शिक्षक बीएलओ का कार्य कर रहे हैं, लेकिन न तो विद्यालय में पढ़ा रहे हैं और न ही कार्य में प्रगति दिखा रहे हैं, उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि निर्वाचन से जुड़े कार्य समय सीमा में पूर्ण हो जाने चाहिए। विभागवार सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा की और जिन विभागों में निवारण की प्रगति धीमी पाई गई, उन्हें तत्काल सुधार के निर्देश दिए। जनजातीय कार्य, पीएचई, स्वास्थ्य, कृषि, राजस्व, खाद्य, महिला एवं बाल विकास, विद्युत सहित कई विभागों को लंबित प्रकरण शीघ्रता से निपटाने को कहा गया। उन्होंने चेताया कि लापरवाही पर कार्रवाई तय है।

न्यायालयीन प्रकरणों में देरी पर सख्त रुख

कलेक्टर ने सभी विभाग प्रमुखों से कहा कि न्यायालयों में लंबित प्रकरणों के जवाब समय पर प्रस्तुत किए जाएँ। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसमें किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।बैठक में छात्रवृत्ति वितरण की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने कहा कि पात्र विद्यार्थियों को समय पर छात्रवृत्ति मिलनी चाहिए और विभाग इस कार्य में अनावश्यक देरी न करे।जल जीवन मिशन के अंतर्गत 7 विकासखंडों के समस्याग्रस्त ग्रामों में नल-जल योजनाओं को तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए गए, ताकि ग्रामीणों को पर्याप्त जल आपूर्ति मिल सके।नगर परिषद डिंडोरी और शहपुरा को स्वच्छता व्यवस्था सुधारने, बाजारों में डस्टबिन लगाने और स्वच्छता में सहयोग दे रहे नागरिकों व कर्मचारियों को सम्मानित करने के निर्देश भी दिए।

किसानों को समय पर बीज वितरण के निर्देश

कलेक्टर ने कृषि विभाग से रबी सीजन के लिए बीज वितरण कार्य में तेजी लाने को कहा। उन्होंने निर्देश दिया कि छोटे और सीमांत किसानों को सरकारी अनुदान वाले बीज समय पर उपलब्ध कराए जाएँ तथा शिविरों में जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी सुनिश्चित की जाए।बैठक में बताया गया कि करंजिया, अमरपुर और शहपुरा में संस्कृति विभाग द्वारा वीर शहीदों की गाथाओं पर आधारित नृत्य-नाट्य प्रस्तुतियाँ आयोजित होंगी, जिसमें रानी दुर्गावती, राजा हीराखान सिंह और राजा पेमल शाह के पराक्रम को मंचित किया अंत में कलेक्टर ने सभी विभागों को समय-सीमा से जुड़े प्रकरणों और विकास कार्यों में गति लाने तथा निर्धारित समय में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

बाल संरक्षण अभियान सप्ताह के अंतर्गत बाल लैंगिक शोषण एवं बाल विवाह रोकथाम जागरुकता अभियान

अमरपुर। शासकीय महाविद्यालय अमरपुर में प्राचार्य संदीप सिंह के निर्देशन एवं रासेयो प्रभारी डॉ. सीमा डावर की मार्गदर्शन में महाविद्यालय का बाल संरक्षण क्लब एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की संयुक्त तत्वाधान में बाल संरक्षण अभियान सप्ताह के अंतर्गत बाल लैगिंग शोषण एवं बाल विवाह रोकथाम के लिए कार्यक्रम आयोजित कर महाविद्यालय के छात्र एवं छात्राओं द्वारा फेस मेकिंग और मेहंदी बनाकर एक जागरूकता का संदेश दिया गया हैं। वर्तमान समय में सामाजिक परिवेश में बाल लैंगिक भेदभाव किया जाता रहा हैं। जिससे परिवार की सामाजिक और मानसिक विकास में भारी समस्या उत्पन्न होती हैं। इसलिए बाल लैंगिक शोषण की रोकथाम होना अतिआवश्यक हैं। इसके साथ ही समाज में अशिक्षित, आर्थिक एवं सामाजिक कारणों से बाल विवाह होते अधिकतर देखा जाता हैं। प्रत्येक मानव समाज में बाल्यावस्था शारीरिक विकास और मानसिक विकास होता हैं। इसलिए आप हम सभी को वर्तमान समय में बाल विवाह की रोकथाम करना सामूहिक प्रयास करना होगा। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त स्टॉफ एवं छात्र - छात्राएं उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर सप्तशक्ति संगम कार्यक्रम का हुआ आयोजन

डिंडोरी । विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के द्वारा सरस्वती शिशु मंदिर शाहपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर रविवार को सप्तशक्ति संगम कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मातृशक्ति में आत्म गौरव को बढ़ावा देना कुटुंब व्यवस्था और पर्यावरण की प्रति भारतीय दृष्टिकोण को विकसित करने के साथ परिवार समाज और राष्ट्र कल्याण के कार्यों के लिए महिलाओं को प्रेरित करना रहा कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती राम किशोरी ठाकुर जनपद उपाध्यक्ष मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती बबली तन्तवाय विशिष्ट अतिथि रक्षा ठाकुर वी अनामिका गुप्ता उपस्थित रहे कार्यक्रम की मुख्य वक्ताओं में एवं गीता सिंह कृषि विज्ञान की व्याख्याता शामिल रही जिन्होंने भारत के विकास में महिलाओं की भूमिका कुटुंब प्रबोधन एवं पर्यावरण संरक्षण पर विस्तार से विचार साझा किया उनके उद्बोधन ने उपस्थित 210 महिलाओं को सामाजिक पारिवारिक के साथ संगठन आत्मक जिम्मेदारियों की प्रति सजग एवं सकरी होने के लिए प्रेरित किया कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ आचार्य वंदना सिंह ठाकुर तथा आभार प्रदर्शन व प्रस्तावना मूर्ति ठाकुर ने किया सप्तशती संगम ने महिलाओं की सक्रिय भागीदारी समाज में उनके योगदान एवं संगठन में उनकी भूमिका को उजागर किया!

सीईओ जिला पंचायत ने किया शासकीय बालिका छात्रावास शाहपुर का औचक निरीक्षण

डिंडौरी। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत दिव्यांशु चौधरी ने शासकीय बालिका छात्रावास शाहपुर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान छात्रावास में परोसा जा रहा भोजन गुणवत्ता की दृष्टि से सही पाया गया, किंतु निर्धारित मेनू के अनुरूप नहीं था।सीईओ श्री चौधरी ने छात्रावास भवन की दीवारों पर पुताई कराने के निर्देश देते हुए कहा कि दीवारें काली एवं खराब हो जाने से उनका सुधार आवश्यक है। साथ ही, छात्रावास की छत पर बैरिकेड लगाने के लिए भी निर्देश दिए गए ताकि बच्चियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।ठंड के मौसम को ध्यान में रखते हुए उन्होंने हॉस्टल अधीक्षक को छात्रावास में रहने वाली छात्राओं को नियमित रूप से गर्म पानी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

धनुआ सागर मॉडल स्कूल की मरम्मत में अनियमितताओं के आरोप, ग्रामीणों में आक्रोश

डिंडौरी। जिला मुख्यालय के समीप स्थित ग्राम पंचायत धनुआसागर में वर्ष 2016 के दौरान लगभग 3 करोड़ रुपए की लागत से मॉडल स्कूल का निर्माण कराया गया था। हाल ही में मध्यप्रदेश सरकार ने इस मॉडल स्कूल को सीएम राइज विद्यालय के रूप में उन्नत किया है, जिसके लिए नया भवन निर्माणाधीन है। इसी बीच पूर्व में निर्मित मॉडल स्कूल भवन की मरम्मत एवं सुधार कार्य हेतु पुलिस हाउसिंग बोर्ड मध्यप्रदेश द्वारा प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।स्वीकृति के अनुसार भवन में कोटा फ्लोरिंग,खिड़की–दरवाजों का परिवर्तन, शौचालय निर्माण तथा अन्य संरचनात्मक मरम्मत कार्य किए जाने हैं।

गंभीर अनियमितताओं के आरोप

स्थानीय नागरिकों ने आरोप लगाया है कि मरम्मत कार्य में ठेकेदार और संबंधित अधिकारियों की मिलीभगत से बड़े पैमाने पर घटिया निर्माण सामग्री का उपयोग हो रहा है। ग्रामीणों के मुताबिक— भवन के ऊपरी हिस्से में कोटा लगाते समय रेत–सीमेंट के मसाले की जगह डस्ट (धूल) का इस्तेमाल किया जा रहा है, जो निर्माण गुणवत्ता को गंभीर रूप से प्रभावित करता है। शौचालयों में अमानक स्तर के टाइल्स लगाए जा रहे हैं, जिनकी गुणवत्ता निर्धारित मानकों से कम बताई जा रही है।स्थानीय लोगों ने बताया कि निर्माण स्थल पर तकनीकी मानकों का पालन नहीं किया जा रहा है और निगरानी भी केवल कागजी स्तर पर की जा रही है।

अधिकारियों पर संरक्षण का आरोप

ग्रामीणों का कहना है कि पुलिस हाउसिंग बोर्ड के कुछ अधिकारियों के संरक्षण में ठेकेदार मनमानी करते हुए गुणवत्ताहीन कार्य करा रहा है। करोड़ों की राशि के बावजूद निर्माण सामग्री और कार्य की गुणवत्ता दोनों संतोषजनक नहीं हैं। इससे न केवल सरकारी धन की हानि हो रही है, बल्कि भविष्य में विद्यार्थियों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ सकती है।

चंद महीनों में जर्जर हुआ सीसी रोड़

मुख्य मार्ग से सीएम राइज भवन तक पहुंच हेतु लोक निर्माण विभाग द्वारा लगभग 38 लाख रुपए की लागत से विगत वर्षों सीसी सड़क का निर्माण कराया गया था, घटिया निर्माण कार्य के चलते बनते ही सड़क से गिट्टी और रेत अलग अलग हो गए हैं जिससे सड़क पर धूल का गुबार उठ रहा है, जिससे विद्यार्थियों के साथ ही स्थानीय लोगों को परेशानी हो रही है। निर्माण के दौरान क्षेत्रीय जनपद सदस्य संतोष सिंह चंदेल ने गुणवत्ताहीन निर्माण का मुद्दा उठाते हुए जिला प्रशासन के समक्ष शिकायत दर्ज कराया था लेकिन प्रशासन द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई, नतीजन समय से पहले ही सड़क की स्थिति जर्जर हो चुकी है।

अनियमितताओं से आक्रोशित ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल जांच कर गुणवत्ता परीक्षण, घटिया निर्माण पर रोक तथा जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते हस्तक्षेप नहीं किया गया तो करोड़ों की सरकारी राशि व्यर्थ हो जाएगी और भवन की आयु भी कम हो जाएगी।स्थानीय लोगों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि कार्य की गुणवत्ता में सुधार नहीं हुआ तो वे जिला प्रशासन के समक्ष सामूहिक शिकायत दर्ज कराएंगे।

एसआईआर विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत मझियाखार में निरीक्षण

डिंडौरी ।

कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के निर्देशन एवं एसडीएम बजाग रामबाबू देवांगन के मार्गदर्शन में (एसआईआर) विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत ग्राम मझियाखार स्थित शासकीय स्कूल एवं आंगनवाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों द्वारा विद्यालय में संचालित शैक्षणिक गतिविधियों, दर्ज छात्र संख्या, आधार लिंक, पढ़ाई की नियमितता एवं अन्य सुविधाओं की स्थिति का अवलोकन किया गया। निरीक्षण के दौरान आंगनवाड़ी केंद्र में बच्चों को प्रदान की जा रही पोषण आहार व्यवस्था, वजन मानक, गर्भवती एवं धात्री माताओं के पंजीयन की स्थिति तथा योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई। निरीक्षण में अधिकारियों ने मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता, भोजन की मात्रा, स्वच्छता तथा रसोईघर की व्यवस्था की भी विस्तृत जांच की। निरीक्षण के दौरान संबंधित स्टाफ को आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए तथा व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने पर जोर दिया गया।

24 घंटे में उखड़ गई शाहपुरा की नई सड़क, निर्माण गुणवत्ता पर उठे सवाल

शाहपुरा।

नगर के माँ शारदा टेकरी से मेन रोड तक हाल ही में बनी सड़क के निर्माण को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। बताया जाता है कि निर्माण पूरा होने के कुछ ही समय बाद सड़क कई जगहों से उखड़ने लगी, जिससे कार्य की गुणवत्ता पर संदेह गहरा गया है।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि सड़क निर्माण में मानक प्रक्रियाओं और गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा गया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि सामग्री और तकनीक में लापरवाही बरती गई, जिसके कारण सड़क पहले ही दिन टूटने लगी। साथ ही निर्माण स्थल पर सूचना बोर्ड न लगाए जाने से भी पारदर्शिता को लेकर सवाल उठ रहे हैं।फिलहाल ठेकेदार की ओर से मरम्मत का कार्य किया जा रहा है, जबकि क्षेत्रवासियों ने पूरी तकनीकी जांच कर दोषियों पर उचित कार्रवाई की मांग की है। नागरिकों का कहना है कि सरकारी निर्माण कार्यों में मजबूती और गुणवत्ता को प्राथमिकता मिलनी चाहिए, तभी योजनाओं का वास्तविक लाभ जनता तक पहुँच पाएगा।

कलेक्ट्रेट में जिला रोगी कल्याण समिति की बैठक संपन्न

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी । कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला रोगी कल्याण समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में पूर्व से पारित प्रस्तावों की समीक्षा के पश्चात समिति के समक्ष विभिन्न नवीन कार्यों का एजेण्डा प्रस्तुत किया गया। बैठक में मुख्य रूप से जिला चिकित्सालय के बाउंड्रीवाल निर्माण, नाले के चौड़ीकरण, चिकित्सालय की छत पर शेड निर्माण, अस्पताल भवन की पुताई, परिसर में पर्याप्त रोशनी हेतु लाइटिंग व्यवस्था, तथा आकस्मिक चिकित्सा कक्ष में डॉक्टर ड्यूटी रूम से संबद्ध लेट-बाथ निर्माण जैसे महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर चर्चा की गई।

कलेक्टर ने कार्यपालन यंत्री पीडब्ल्यूडी को विभागीय उपयंत्री के साथ सभी प्रस्तावित कार्यों का स्थल निरीक्षण कर प्राक्कलन तैयार करने के निर्देश दिए। साथ ही जिला चिकित्सालय को सर्वसुविधायुक्त और बेहतर बनाने हेतु विभिन्न सुझावों पर भी विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में सीएमएचओ, सिविल सर्जन, डीपीओ, हॉस्पिटल मैनेजर सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

भाजपा मंडल मानिकपुर में मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर शक्ति केंद्रों की बैठक संपन्न

शहपुरा -भारतीय जनता पार्टी मंडल मानिकपुर के शक्ति केंद्र रैपुरा, घिरवन, मोहरा कला और मानिकपुर में मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) को लेकर बैठक आयोजित की गई। शक्ति केंद्र रैपुरा में सम्पन्न हुई इस बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा जिला उपाध्यक्ष संतोष साहू और मंडल अध्यक्ष हीरेंद्र सिंह उपस्थित रहे।

बैठक में मतदाता पुनरीक्षण से जुड़े आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए तथा शक्ति केंद्रों के अंतर्गत आने वाले सभी बूथों के BLA-2 को संगठन एप में संबंधित जानकारी अपलोड करने हेतु मार्गदर्शन प्रदान किया गया।कार्यक्रम में मंडल महामंत्री राजेंद्र तिवारी, मंडल उपाध्यक्ष संतोषी विश्वकर्मा, फूलचंद झरिया, मंडल मंत्री संतोष परस्ते, समरू सिंह, सह मीडिया प्रभारी विशाखा राय, कार्यालय मंत्री विश्वनाथ झारिया, वरिष्ठ नेता उत्तम असाटी (प्रभारी रैपुरा शक्ति केंद्र), प्रभु जी, जितेन्द्र तिवारी, किरा सिंह, मोहन झारिया,मीडिया प्रभारी संदीप गौलिया, फूलचंद झारिया (सलैया), सीता सेनी, अभिलाषा झारिया सहित बूथ अध्यक्ष, महामंत्री और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

समनापुर में श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई गई भगवान बिरसा मुंडा जयंती

डिंडौरी । शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय समनापुर में भगवान बिरसा मुंडा जयंती उत्साह, श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री धर्मेन्द्र चौहान, जिला बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के जिला समन्वयक श्री अशोक संत, विकासखंड समन्वयक श्रीमती मंजूलता राव, मेंटर दिलीप बर्मन, केशव ठाकुर, शिवकुमार ठाकुर, श्रीमती शिशु बड़गैया एवं सुश्री डाली प्रिया सहित सीएमसीएलडीपी के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला समन्वयक श्री धर्मेन्द्र चौहान ने भगवान बिरसा मुंडा के जीवन, संघर्ष और योगदान पर प्रकाश डाला तथा विद्यार्थियों को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेने की अपील की।

इस अवसर पर अशोक संत ने भी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का संघर्ष आदिवासी समाज ही नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने छात्रों से अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु दृढ़ता, अनुशासन और सकारात्मक सोच अपनाने का संदेश दिया। समारोह में विद्यार्थियों द्वारा बिरसा मुंडा के विचारों और उनके द्वारा दिए गए जन-जागरण संदेश को समाज तक पहुँचाने का संकल्प लिया गया।विद्यालय परिवार द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम जनजातीय गौरव, सामाजिक एकता और देशभक्ति की भावना को और अधिक सशक्त बनाने वाला रहा।

खबर संक्षेप

गैलपुर वासी शिव जी की 42 वर्षगांठ 20 को

तेंदूखेड़ा। श्री राम रसिया सरकार सिहोरा में एक खेत में स्वयं प्रकटी शिव पिंडी जिन्हें गैल पुर वासी शिव मंदिर के नाम से जाना जाता है प्रत्येक बुधवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पर दर्शन करने पहुंचते हैं।इनकी स्थापना के 42 साल पूर्ण होने पर 20 नवम्बर को वृहद स्तर पर शिवाभिषेक कार्यक्रम आयोजित किया गया है जिसमें क्षेत्र के सभी श्रद्धालुओं को बड़ी संख्या में पहुंचने की अपील आयोजक मंडल ने की है।

अचानक बढ़े सब्जियों के भाव

तेंदूखेड़ा। जो सब्जियां पिछले चार दिन पहले 50रु किलो के नीचे बिक रही थी उसके अचानक भाव बढ़ने से उपभोक्ताओं का बजट बिगड़ गया है। हमारे प्रतिनिधि को मिली जानकारी के अनुसार शनिवार साप्ताहिक बाजार में सब्जियां बढ़े हुए दामों में मिलने से जो लोग हफ्ते भर की व्यवस्था करके ले जाते थे वह बजट के हिसाब से ही बहुत कम मात्रा में लेकर गये।ठंड के दिनों में भटा और टमाटर का एक अलग ही जायका हुआ करता है लेकिन भटे के भाव सातवें आसमान पर जा पहुंचे हैं।भर्ता वाला बड़ा भटा 60 रुपए किलो और छोटा भटा 80 रुपए किलो बिका जबकि टमाटर 80 रुपए किलो गोभी 60 रुपए किलो गिलकी 80 रुपए किलो मेथी पालक के रेट भी 60 रुपए किलो तक रहे।मौसमी सब्जी सेमी 80 रुपए किलो तक बिक रही हैं।मूली 10 रुपये की एक ऐसी स्थिति में उपभोक्ताओं का बजट बिगड़ने के साथ दाल में ही तड़का लगाना किफायती समझ पड़ रहा है।

सहिष्णुता दिवस पर विचार गोष्ठी का आयोजन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। अंतरराष्ट्रीय सहिष्णुता दिवस पर नरसिंह आनंद क्लब द्वारा सच्चिदानंद आश्रम में अंतर्राष्ट्रीय सहिष्णुता दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ईश प्रार्थना के साथ किया गया। ईश प्रार्थना इतनी शक्ति हमें देना दाता का गायन आनंद विभाग के मास्टर ट्रेनर धर्मेंद्र कुमार चंदेल द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन मास्टर ट्रेनर यमुना विश्वकर्मा द्वारा किया गया। तत पश्चात भोपाल से पधारी मास्टर ट्रेनर सुश्री सुनैना दुबे ने आनंद विभाग का परिचय, उद्देश एवं गतिविधियों से सभी को परिचित कराया। कार्यक्रम की शुरुआत सांप्रदायिक सद्भाव और सहिष्णुता के महत्व पर आधारित विचार गोष्ठी से हुई जिसमें उपस्थित रहे। वक्ताओं ने सामाजिक एकता, मानवता और आपसी सम्मान पर सारगर्भित विचार व्यक्त किए। नरसिंह आनंद क्लब द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम शांति, सद्भाव और सामाजिक समरसता की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा रहा है। कार्यक्रम में आनंदक सत्यम नेमा, अनामिका चौकसे, मनीष विश्वकर्मा, अर्पिता प्रजापति, मदीहा नसीम, असजद, आदि की उपतिथि रही।

मेजर जनरल डॉ. विश्वास का हुआ आगमन

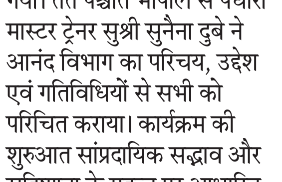

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। सेना शिक्षा कोर भारतीय सेना के मुखिया मेजर जनरल डॉ. तमोजीत विश्वास के आगमन पर श्री विश्वास के मित्र पूर्व सैनिक संघ के अध्यक्ष लालसाहेब जाट एवं पूर्व सेनिक को एवं कई संगठनों की प्रतिनिधियों ने उनका स्वागत किया। आस्था योग संस्था के सदस्यों से मून लाइट गार्डन में उन्होंने बड़ी संख्या मौजूद नागरिकों से मुलाकात की। इस दौरान श्री विश्वाश ने आपने अपना सेना का अनुभव और कई विषयों पर चर्चा की।

मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

भारतीय किसान संघ ने रैली निकालकर रखी मांग

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। सोमवार को भारतीय किसान संघ द्वारा विशाल ट्रैक्टर रैली निकालकर विरोध प्रदर्शन करते हुए किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को 41 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में किसानों की पीड़ा संगठन के माध्यम से जिला प्रशासन व सरकार के समक्ष रखी गई। राजस्व विभाग, बिद्युत विभाग, कृषि उपज मंडी, सब्जी मंडी,रासायनिक खाद,बैंकों आदि में आने बाली किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर सोमवार को कृषि उपज मंडी नरसिंहपुर के भगवान बलराम चैक से लेकर कलेक्टर कार्यालय तक शंखनाद ट्रैक्टर रैली निकली गई। किसानों द्वारा सरकार विरोधी तरह - तरह के नारे भी लगाए गए।

मुआवजा व बीमा राशि की मांग

रैली में बड़ी संख्या में ट्रैक्टर लेकर किसान नारेबाजी करते हुए नजर आए। जिसमें जिले भर से किसान ट्रैक्टर और फोर व्हीलर गाड़ी लेकर प्रदर्शन में शामिल हुए। भारतीय किसान संघ की पदाधिकारियों ने बताया कि अतिवृष्टि एवं बेमौसम बर्षात से सोयाबीन धान मक्का एवं अरहर में हुए बड़े नुकसान के बाद सरकार सर्वे नहीं कर रही है मतलब मुआवजा और बीमा देने की मंशा नहीं है प्रदेश के अन्य जिलों में क्षति पूर्ति राशि दी जा रही है किसानों के साथ दोहरा मापदंड मंजूर नही खाद के लिए भी किसान दर-दर भटक रहा है किसानों को दो दिन लाइन में लगने के बाद भी खाली हाथ बापिस लौटना पड़ रहा है बार-बार कहने के बाद भी काउंटर नहीं बढ़ाए जा रहे हैं किसानों को जानबूझकर परेशान किया जा रहा है ई टोकन से भी टोकन नहीं मिल रहे।

गन्ने के मिले उचित दाम

ज्ञापन मे बताया गया है कि वर्तमान में रवि फसल की बुवाई चल रही है और डीएपी जिले से नदारत है गन्ने के भी कम रेट हैं वोहानी गन्ना अनुसंधान केन्द्र में किसानों के साथ लूट मची है इसको फैक्ट्री रेट पर दिया जावे मक्का का समर्थन मूल्य 2400 रुपए प्रति क्विंटल होने के बाद भी 1200 से लेकर 1700 तक बिक रहा है समर्थन मूल्य घोषित करने का क्या ओचित्य, सरकर मंडी अधिनियम 36(3) का कड़ाई से पालन करना सुनिश्चित करे या समर्थन मूल्य पर खरीदी करे। बिजली की भी समस्या बनी हुई है 10 घंटे बिजली दिन में लगातार देने के कारण तार टूटने ,फाल्ट बननेसे बिद्युत आपूर्ति अधिकांश समय बंद रहती है वड़ी मुश्किल से 5 -6 घंटे बिजली मिल पा रही है किसान सिंचाई नहीं कर पा रहा है अतिरिक्त समय में पूर्ति की जावे या दो शिफ्टों में दी जावे।

समर्थन मूल्य खरीदी पर उठाए सवाल

एक दिन में और एक रात में सरकार समर्थन मूल्य पर खरीदी करने के लिए किसानो से पंजीयन करवाती है जवकि पंजीयन करने के लिए गिरदावली को ही आधार माना जाता है तो पंजीयन क्यों गिरदावली को ही रजिस्ट्रेशन मानना चाहिए ताकि किसान रजिस्ट्रेशन करने के लिए बार-बार ऑफिसों के चक्कर न लगाना पड़े के अलावा मांगों के निदान की मांग की गई।भारतीय किसान संघ के पदाधिकारियो ने बताया कि किसानों में सरकार के प्रति इतना आक्रोश देखने कभी नहीं मिला। यही कारण की ट्रैक्टर रैली में बड़ी संख्या में किसान शामिल हुए। वही क्षेत्रीय संगठन मंत्री महेश चैधरी, महाकौशल संगठन मंत्री तुलाराम सिंह, महाकौशल, कोषाध्यक्ष आलोक पटेल, महाकौशल उपाध्यक्ष नारायण पटेल, महाकौशल प्रांत मंत्री प्रहलाद पटेल ,स्वदेश कोठारी, संभागीय अध्यक्ष अनिरुद्ध पटेल एवं जिले एवं तहसील के सभी सदस्य महेश चैधरी द्वारा एवं तुलारामजी द्वारा मंडी चैक का बलराम भगवान के नाम पर अनावरण किया गया।

आशा उषा संघ ने सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। सोमवार को अपनी मांगों को लेकर आशा उषा व पर्यवेक्षक एकता यूनियन की कार्यकर्ताओं ने अपनी सात सूत्रीय मांगों को लेकर जिला कलेक्टर के माध्यम से मध्यप्रदेश के मिशन संचालक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में उल्लेख किया है कि आशा उषा कार्यकर्ता व आशा पर्यवेक्षक कार्यकर्ता द्वारा सरकार द्वारा चलाया जा रहे सभी स्वास्थ्य अभियानों को चलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती चली आ रहीं है आज आशाएं स्वास्थ्य विभाग की मजबूत जमीनी कार्यकर्ता हैं जो 24 घंटे अपनी सेवाएं समर्पण भाव से करती चली आ रही है परंतु इसके बावजूद भी वह बुनियादी अधिकार जैसे न्यूनतम वेतन, पेंशन, ग्रेच्युटी, कार्यस्थल पर सामाजिक सुरक्षा से वंचित हैं मध्यप्रदेश में आशा उषा पर्यवेक्षकों का भुगतान नहीं हो सका है अधिकांश जिलों में पिछले तीन माहों से भुगतान नहीं किया गया है अधिकांश इकाइयों में प्रोत्साहन राशि का भुगतान भी बकाया है जिसके चलते प्रदेश भर की आशा उषा एवं पर्यवेक्षक कार्यकर्ता बेहद परेशान है। बारम्बार सरकार को याद दिलाने के बावजूद उनकी समस्याओं का निराकरण नहीं हो पा रहा है आशा उषा कार्यकर्ता व आशा सहयोगी की ड्यूटी बीएलओ कार्य हेतु लगाई जा रही है जो अनुचित है अतः निर्वाचन संबंधी कार्यों से उन्हें अलग रखा जाए आशा ऊषा व पर्यवेक्षक कार्यकर्ता यूनियन ने मांग की है कि पर्यवेक्षक का वेतन प्रोत्साहन राशि के साथ बकाया राशियों पर भी भुगतान किया जावे और केंद्र सरकार द्वारा बढ़ाए गए 1500 रुपए राशि का एरिया सहित भुगतान दिया जावे वही उनकी मांग है कि वेतन व प्रोत्साहन राशि का प्रत्येक माह की 5 तारीख तक नियमित रूप से भुगतान सुनिश्चित किया जावे और अन्य मांगों का भी जल्द से जल्द निराकरण किया जावे। निराकरण न होने पर आशा उषा आशा सहयोगी संयुक्त मोर्चा मध्यप्रदेश आगामी समय में आंदोलन के लिए बाध्य होगा।

अवैज्ञानिक लक्ष्य निर्धारण के विरोध में मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। मध्यप्रदेश सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी संघ के पदाधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा पशुपालन विभाग द्वारा कृत्रिम गर्भाधान कार्य के लिए निर्धारित किए गए अमानवीय और अव्यावहारिक दैनिक लक्ष्यों के विरोध में एकजुट होकर कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में बताया कि विभाग द्वारा पशुगणना के आंकड़ों के आधार पर गणितीय डाटा तैयार कर प्रत्येक सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी को प्रतिदिन 20 कृत्रिम गर्भाधान करने का लक्ष्य दिया गया है, जिसे पूरा न कर पाने की स्थिति में वेतन रोकने, वेतन काटने, वार्षिक वेतन वृद्धि रोकने और निलंबन जैसी दंडात्मक कार्रवाई की जा रही है। प्राकृतिक कार्य में प्रशासनिक हस्तक्षेप कृत्रिम गर्भाधान एक पूर्णतः प्राकृतिक कार्य है, जिसकी सफलता मादा पशु के ऋतुकाल में आने, पशुपालक द्वारा समय पर (6 से 18 घंटे के भीतर) सूचना देने और पशु की उपलब्धता पर निर्भर करती है। ये तीनों कारक मैदानी कर्मचारी के नियंत्रण में नहीं होते। असंभव लक्ष्य और समय की कमी संघ ने बताया कि एक कार्य में औसतन 1 घंटे का समय लगता है, और संस्था का कार्यक्षेत्र 10 से 20 किलोमीटर तक फैला होता है। ऐसे में एक मानव कर्मचारी द्वारा प्रतिदिन 20 पशुओं का करना किसी भी परिस्थिति में संभव नहीं है। अन्य आवश्यक कार्य बाधित माध्यम से संस्था पर सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक उपस्थित रहकर उपचार, औषधि वितरण, बधियाकरण और हितग्राही मूलक योजनाओं का क्रियान्वयन भी करना होता है। इसके अतिरिक्त, टीकाकरण जैसे कार्य सुबह 7 बजे से पशुपालक के घर जाकर किए जाते हैं। 20 का अमानवीय लक्ष्य इन आवश्यक कार्यों को बाधित कर रहा है सौंपे गए ज्ञापन में संघ के प्रांतीय सदस्य संघ ने मांग रखी है कि प्रशासनिक दबाव के कारण केवल कागजी और भ्रामक आँकड़े तैयार हो रहे हैं, जिससे उन्नत नस्ल के पशु उत्पादन का मूल उद्देश्य पूरा नहीं हो पाएगा। इस दौरान संघ के जिलाध्यक्ष बी आर चैधरी, अजाक्स के प्रांतीय संयुक्त सचिव जे एस धुर्वे, ए वी एफ ओ संघ के पूर्व प्रांतीय सचिव टी एस पटैल पूर्व जिला अध्यक्ष बी एल प्रधान, सचिव सौरभ उपाध्याय, कोषाध्यक्ष रोहित मेहरा वरिष्ठ उपाध्यक्ष हरिहर बुनकर सहित समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

करोड़ों की लागत से बना छात्रावास अब तक उपयोग में नहीं, जिम्मेदारों की लापरवाही से उठ रहे सवाल

गोटेगांव। एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है जिसमें अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति विभाग द्वारा संचालित छात्र-छात्राओं के छात्रावासों को लेकर गंभीर अनियमितताएं उजागर हो रही हैं। विभाग की पुरानी बिल्डिंग पूरी तरह जर्जर हो चुकी है, फिर भी आज तक विद्यार्थियों को वहां से नए छात्रावास में शिफ्ट नहीं किया गया है — जबकि नई बिल्डिंग 29 जनवरी 2025 को ही पूरी तरह तैयार हो चुकी है।जानकारी के अनुसार, अनुसूचित जनजाति विभाग ने दो प्राइवेट भवन किराए पर लेकर छात्रावास संचालन की व्यवस्था कर रखी है — एक महिंद्रा शोरूम के सामने और दूसरा शिक्षक कॉलोनी में। इन भवनों के किराए के रूप में विभाग द्वारा प्रतिमाह लगभग 60 से 80 हजार रुपये की सरकारी राशि खर्च की जा रही है। वहीं, दूसरी ओर बाईपास स्थित करोड़ों की लागत से निर्मित शासकीय छात्रावास की बिल्डिंग महीनों से खाली पड़ी है।स्थानीय नागरिकों का कहना है कि जब सरकारी बिल्डिंग पूरी तरह से बनकर तैयार है, तो फिर प्राइवेट मकानों को किराए पर लेकर छात्रावास क्यों संचालित किए जा रहे हैं? क्या विभागीय अधिकारी जानबूझकर किसी को लाभ पहुंचाना चाहते हैं? यह सवाल अब नागरिकों में चर्चा का विषय बना हुआ है।इस संबंध में जब जिला संयोजक प्रियंका राय से बात की गई, तो उन्होंने बताया कि उनका हाल ही में स्थानांतरण हुआ है और उन्होंने आश्वासन दिया कि "एक सप्ताह के भीतर विद्यार्थियों को नए छात्रावास में शिफ्ट कर दिया जाएगा।" फिर भी बड़ा सवाल यही है — जब जनवरी में ही बिल्डिंग तैयार हो गई थी, तो अब तक छात्रावास को स्थानांतरित क्यों नहीं किया गया? यह प्रशासन और संबंधित विभागों के लिए सोचने और संज्ञान लेने योग्य विषय है।

नगर आगमन पर ओम का भव्य स्वागत

गोटेगांव। सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गोटेगांव में विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान द्वारा 23 वे अखिल भारतीय विज्ञान मेला सरस्वती शिशु मंदिर मेरठ उत्तर प्रदेश में आयोजित हुआ जिसमें पूरे देश से लगभग 400 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया सरस्वती शिक्षा परिषद महाकौशल प्रांत के सरस्वती शिशु मंदिर गोटेगांव का भैया ओम कृष्णा दुबे ने संसार पर आधारित विज्ञान मॉडल में पूरे देश में प्रथम स्थान पाकर सरस्वती शिशु मंदिर का नाम रोशन कर दिया आज उसके नगर आगमन पर भैया बहनों विद्यालय परिवार श्री आदर्श शिक्षा समिति के व्यवस्थापक राजकुमार जैन सहव्यवस्थापक देवदत्त पचौरी ने उनका स्वागत किया 1000 भैया

बहन सैकड़ो वाहन काफिले में चल रहै बैंड बाजा से भव्य स्वागत रैली निकाली गई रैली को देखकर नगर के लोग अचंभित महसूस हो रहे थे विद्यालय प्रवेश द्वार पर संस्था व्यवस्थापक राजकुमार जैन भैया ओम कृष्णा दुबे का भव्य स्वागत किया कार्यक्रम में ओम कृष्णा दुबे राजेश्वरी यादव आचार्या संरक्षिका विज्ञान के आचार्य राम सिया मिश्रा धनीराम पटेल का भी भव्य स्वागत हुआ अपने उद्बोधन में संस्था व्यवस्थापक राजकुमार जैन ने भारती वैज्ञानिक प्रतिभाओं का उत्साहवर्धन करते हुए सभी भैया बहनों से भविष्य में इस प्रकार की प्रतियोगिताओं में भाग लेकर आप अपना स्वयं का नाम रोशन करें और संस्था अपनी कल कई नाम रोशन होगा आने वाली परीक्षाओं में भी इसी प्रकार के अंको से आप अपना नाम रोशन कर सकते हैं कार्यक्रम में प्रधानाचार्य नर्मदा गुप्ता प्रभारी प्राचार्या संतोष कुमार राममोहन यादव संजय दुबे राजेश मेहरा मनोहर बरसिया रोहित त्रिपाठी घनश्याम कश्तवार अजय साहू संगीता नामदेव नीतू नेम आरती राजपूत तनु जैन संजय जैन किशोर शुक्ला आदि की उपस्थिति थी सभी ने भैया ओम कृष्ण को अपनी शुभकामनाएं दी कार्यक्रम का संचालन अनिल अग्निहोत्री ने किया

पदोन्नति के बाद भी सीनियर शिक्षकों का वेतन जूनियर शिक्षकों से भी कम

जबलपुर संभाग के हैं अलग नियम

तेंदूखेड़ा। प्रदेश का जबलपुर संभाग शिक्षकों के हितों के लिए अपने खुद के बनाए नियमों पर चल रहा है। जिसके कारण जबलपुर संभाग के 7 जिलों के शिक्षक आर्थिक लाभ से बंचित हैं। संभाग में कार्यरत जिन माध्यमिक शिक्षकों की पदोन्नति उच्च माध्यमिक शिक्षक पद पर हो चुकी है। उन्हें अपने से जूनियर शिक्षकों से कम वेतन मिल रहा है। यह कारनामा जबलपुर संभाग के तत्कालीन संयुक्त संचालक की मनमानी और हठधर्मिता के कारण निर्मित हुई है। दरअसल इन शिक्षकों को 24 साल की सेवा पूरी होने के बाद भी द्वितीय क्रमोन्नति का लाभ नहीं दिया गया है।जबकि इन्हीं शिक्षकों के साथ नियुक्त माध्यमिक शिक्षकों को द्वितीय क्रमोन्नत वेतनमान मिल जाने से सीनियर शिक्षकों का वेतन जूनियर से कम हो गया है। पदोन्नति प्राप्त करने वाले ऐसे शिक्षकों की संख्या नरसिंहपुर जिले में 47 और पूरे जबलपुर संभाग में 369 हैं। इन शिक्षकों ने बताया कि मध्यप्रदेश के दूसरे संभागों में पिछले साल ही द्वितीय क्रमोन्नति आदेश जारी कर दिए गए हैं।जबकि जबलपुर संभाग के संयुक्त संचालक ने इन शिक्षकों के क्रमोन्नति आदेश रोक दिए थे। संयुक्त संचालक कार्यालय में पदस्थ अधिकारियों का मानना है कि इन शिक्षकों को एक क्रमोन्नति और एक पदोन्नति मिल चुकी है। इसलिए दूसरी क्रमोन्नति नहीं मिल सकती। दरअसल शिक्षा विभाग के नियमानुसार शिक्षकों को दो उच्चतर वेतनमान ही मिल सकते हैं। जबकि लाभ से बंचित इन शिक्षकों का कहना है कि उन्हें पहली क्रमोन्नति के बाद पदोन्नति में उच्चतर वेतनमान नहीं मिला है ।इस बात का उल्लेख उनकी सर्विस बुक में भी है। परन्तु विभागीय पदोन्नति समिति इस बात को नजरंदाज कर शिक्षकों को अनावश्यक परेशान कर उनके आर्थिक लाभ से बंचित कर रही है।वेतनमान विसंगति का शिकार हुए ये शिक्षक वर्ष 1998 में शिक्षाकर्मी वर्ग 2 के पद पर नियुक्त किए गए थे।2007 में इन शिक्षाकर्मियों का अध्यापक संवर्ग में संविलियन हुआ तो इन्हें अध्यापक पदनाम मिल गया।12 वर्ष पूर्ण होने पर शासन के नियमानुसार इन्हें 2010 में प्रथम क्रमोन्नति मिल चुकी है। इनमें से वरिष्ठता के आधार पर 2011 से 2015 तक इन शिक्षकों को पदोन्नति देकर वरिष्ठ अध्यापक तो बना दिया लेकिन इन्हें उच्चतर वेतनमान नहीं दिया। कुछ शिक्षकों को पदोन्नति पर वेतनमान मिला तो विभाग द्वारा इसे गलत मानकर इसकी रिकवरी कर दी।इन सभी शिक्षकों की 24 वर्ष की सेवा अवधि 2022 में पूरी होने के बाद भी आज दिनांक तक द्वितीय क्रमोन्नति का लाभ नहीं मिला है। अब ऐसे तमाम शिक्षक लामबंद हो चुके हैं। बताया जाता है कि जबलपुर संभाग के इन शिक्षकों के द्वितीय क्रमोन्नति के आदेश रोके हुए हैं। जबकि भोपाल रीवा इंदौर सागर संभागों में इन शिक्षकों को यह लाभ मिल चुका है। जबलपुर संयुक्त संचालक वेतनमान से संबंधित नियमों से अनजान बन लोक शिक्षण संचालनाल से मार्गदर्शन माग रहे हैं और वरिष्ठ अधिकारी चुप्पी साधे बैठे हैं।जबलपुर संभाग के नये संयुक्त संचालक से अब शिक्षकों को आश जगी है।

अप्रैल 2025 को जबलपुर संभाग द्वारा भोपाल में बैठे अधिकारियों से इस संबंध में मार्गदर्शन मांगा गया है।जिस पर आयुक्त लोक शिक्षण ने तीन सदस्यीय समिति का गठन कर मामले के परीक्षण के लिया था। परन्तु विभागीय अधिकारियों की मनमानी की बजह से 6माह बाद भी इन शिक्षकों की द्वितीय क्रमोन्नति के संबंध में कोई मार्गदर्शन दिया गया है।जिसके चलते इन शिक्षकों को करीब चार हजार रुपए प्रति माह का नुक़सान हो रहा है।

इनका कहना है

पदोन्नति प्राप्त माध्यमिक शिक्षकों की द्वितीय क्रमोन्नति के आदेश जानबूझकर रोके गए हैं। और अधिकारों से बंचित रखा जा रहा है। प्रदेश में शिक्षा विभाग के अधिकारी नियमों से अनजान बन अपना अपना राग अलाप रहे हैं यह गलत है। माननीय मंत्री महोदय के सामने भी यह विषय रखा जा रहा है।

हरिराम प्रजापति
उच्च माध्यमिक शिक्षक

हमें पदोन्नति पर जो वेतनमान मिला था।उसकी रिकवरी विभाग कर चुका है। ऐसे सभी शिक्षकों को द्वितीय क्रमोन्नति का लाभ मिलना चाहिए।

श्रीमती माधुरी सोनी
उच्च माध्यमिक शिक्षक

शिक्षक संघ के माध्यम से क्रमोन्नति के संबंध में डीपीआई के अधिकारियों को अवगत कराया गया है।जहां से शीघ्र ही उचित कार्यवाही करने को कहा गया है।

नगेन्द्र कुमार त्रिपाठी
प्रांतीय प्रवक्ता
मध्य प्रदेश राज्य शिक्षक संघ

केवल जबलपुर संभाग के शिक्षकों को द्वितीय क्रमोन्नति के लाभ से बंचित रखा जाना समक्ष से परे है। आठ माह बीत जाने के बाद भी शिक्षकों की समस्या का अधिकारियों द्वारा कोई समाधान नहीं किया गया है।

वेणी शंकर पटेल
उच्च माध्यमिक शिक्षक
शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय
मिढ़वानी

ओलंपियाड परीक्षा आज 3416 छात्र-छात्राएं होंगे सम्मिलित

तेंदूखेड़ा चांवरपाठा विकासखंड के अंतर्गत आने वाले शासकीय प्राथमिक माध्यमिक विद्यालय में अध्यनरत कक्षा दूसरी से आठवीं तक के लगभग 3416 छात्र छात्राओं के लिए ओलंपियाड परीक्षा जनशिक्षा केंद्रों पर प्राथमिक स्तर प्रथम चरण की परीक्षाएं आज आयोजित कराई जा रही है।विकासखंड स्त्रोत समन्वयक तथा जनशिक्षा केंद्र प्रभारी ने हमारे प्रतिनिधि को बताया कि कक्षा दूसरी से कक्षा 5 तक की सुबह 11 से दोपहर 1 बजे तक और कक्षा 6 से कक्षा 8 तक सुबह 11 से दोपहर 2 बजे तक संपन्न होगी। प्रत्येक जनशिक्षा केंद्र प्रभारी परीक्षा के केंद्राध्यक्ष होंगे ।विद्यार्थियों की शत प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी इसके लिए सभी प्रधान पाठकों एवं शिक्षकों को दायित्व प्रदान किए गए हैं। आगे बीआरसी महोदय ने बताया कि 20 विद्यार्थियों पर एक परीक्षक नियुक्त किए जाएंगे। बैठने हेतु डेस्क की सुविधा सुनिश्चित की जाये तथा डेक्स ना होने पर राइटिंग पैड उपलब्ध कराए जाएंगे। विद्यार्थियों को जनशिक्षा केंद्र तक लाने ले जाने की जिम्मेदारी प्रधान अध्यापक की होगी। प्रति विद्यार्थी 50 रूपये शाला प्रबंधन मद से व्यय किया जाएगा। प्रश्न पत्र ओएमआर शीट और उपस्थिति पत्रक ब्लॉक और जन शिक्षा केंद्र तक पहुंचाने के लिए रूट चार्ट तैयार किया गया है। परीक्षा शुरू होने से 30 मिनट पहले यानी सुबह साढ़े 10 बजे ओएमआर शीट वितरित की जाएगी। पर्यवेक्षक सुनिश्चित करेंगे कि सभी परीक्षार्थी ओएमआर शीट पर रोल नंबर नाम और कक्षा की सही जानकारी भरें ओएमआर शीट को नीले काले बालपेन या फिर पेंसिल से भरा जा सकेगा। वहीं परीक्षा में सम्मिलित होने वाले सभी छात्राओं के लिए भोजन की विशेष व्यवस्था की जाएगी। प्रति विद्यार्थी ₹30 राशि निर्धारित की गई है। सभी शिक्षक इस ओलंपियाड का आयोजन विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने और उन्हें प्रोत्साहित करने के उद्देश्य किया जा रहा है। जिससे बच्चे अपने तार्किक ज्ञान को बढ़ाकर शासन की इस योजना का लाभ ले सकें।

पंप कर्मचारी ने इंसानियत का दिया परिचय

तेंदूखेडा। आज के समय में लोग एक एक रुपए के लिए दरबतर की ठोकरें खाकर भटक रहा है वहीं तरह तरह के हथकंडे अपना कर पैसा कमा रहे हैं। लेकिन तेंदूखेड़ा के मोदी पेट्रोल पंप पर काम करने वाले इमझिरा निवासी शिवकुमार ठाकुर को तेंदूखेड़ा के ही एक व्यवसायी मनीष राय पेट्रोल डलवाने गये हुए थे। पेट्रोल भरवाकर तो मनीष राय चले गए उन्हें पता नहीं चल सका कि हमारी राशि जेब से 11570/गिर गए है। लेकिन यह राशि शिवकुमार ने उठाकर कांऊटर पर संचालक के पास जमा कर दी। मनीष गाडरवारा जा पहुंचे जब वहां पहुंच कर जेब देखी तो जेब खाली पाई। तत्काल जहां जहां गये थे वहां पूंछताछ की पेट्रोल पंप कर्मचारी से फोन लगाकर पूंछा तो उसने बताया कि आपकी राशि काउंटर पर जमा है आप ले जाना। शिवकुमार की ईमानदारी पर संचालक ने उसकी तारीफ करते हुए उसे अलग से इनाम दिया।